

सी यू के बुलेटिन

सीयूके ने 76वां गणतंत्र दिवस मनाया





मुझे अपने सभी प्रिय छात्रों और कर्मचारियों के प्रति अपनी सद्भावना का विस्तार करते हुए खुशी हो रही है। यह तब से 75वां वर्ष है भारत, दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र, पूरी तरह से संप्रभु गणराज्य बन गया। जब हम अपने राष्ट्र की संप्रभुता की हीरक जयंती मनाते हैं, तो आइए हम अपने महान नेताओं और स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दें, जिन्होंने हमारी स्वतंत्रता, स्वतंत्रता और संप्रभुता के लिए अपना पसीना और खून बहाया।

हम विविधता में एकता का देश हैं। हमें अपने बहुलवादी और समग्र सांस्कृतिक विरासत पर गर्व होना चाहिए। हमारे देश और हमारे देश के लोगों के प्रति हमारी भक्ति और प्रतिबद्धता धार्मिक, भाषाई और क्षेत्रीय या सांप्रदायिक विविधताओं से ऊपर होनी चाहिए। विविधता में एकता की भावना के लिए हमारे देश की सराहना की गई है। इसलिए, प्रतिबद्ध नागरिकों के रूप में, हमारा मौलिक कर्तव्य है कि हम भारत के सांस्कृतिक और राजनीतिक टेपेस्ट्री के बहुआयामी और जटिल ताने-बाने की रक्षा करें। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए भाईचारे और एकता की भावना को आत्मसात करना और विकसित करना महत्वपूर्ण है।

इसके अलावा, हमें एकजुटता बनाए रखने के लिए एक-दूसरे के प्रति धैर्य और सहिष्णुता बरतनी चाहिए, क्योंकि हम एक विविध और विषम सभ्यता हैं। हमें यह समझना चाहिए कि हमारे देश की सुंदरता अपनी विविधता में है। आइए हम अपने राष्ट्र की सुंदरता को बनाए रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता का प्रतिज्ञा करें। इस तरह, हम पूरी तरह से और रंगभेद की दुनिया में एक अनुकरणीय राष्ट्र और पेसमेकर बन जाएंगे। इस चुनौती का मुकाबला करने का एकमात्र समाधान हमारे दिमाग को विशाल करना है। खुले दिमाग से हम विविधता का सम्मान करने में सक्षम होंगे। इसके अलावा, हम समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र की भावना और न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे की भावना जैसे संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखेंगे। आइए हम एक दूसरे को प्रेरित और सशक्त बनाना जारी रखें और एक नैतिक और समावेशी समाज का निर्माण करें।

मैं आप सभी को संतुष्टिदायक, समृद्धकारी और जीवनपर्यन्त सीखने के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

प्रो. बट्टू सत्यनारायण
कुलपति
कर्नाटक केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कलबुरगी



जैसे ही हम नए साल की शुरुआत करेंगे, मैं आशावादी हूँ कि कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूके) परिवार नई ऊँचाइयों पर पहुंचेगा। शिक्षा और प्रौद्योगिकी की तेजी से प्रगति के साथ, सीयूके डिजिटल परिवर्तन के लिए प्रतिबद्ध है। शिक्षण परिवर्तन छात्रों और संकायों को शैक्षणिक प्रशासन के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करता है। परिवर्तनों को अपनाने का समर्पण छात्रों को उत्कृष्टता के भविष्य की ओर ले जाता है। सीयूके हमेशा एक उत्तरदायी शैक्षणिक वातावरण बनाने पर ध्यान केंद्रित करता है और छात्र की सफलता और संस्थागत विकास को प्राथमिकता देता है।

इन जिम्मेदारियों के अलावा, हम निरंतर सुधार और नवाचार के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। छात्रों की प्रतिक्रिया के माध्यम से निरंतर सुधार और नवाचार संभव है, इसलिए हम प्रतिक्रिया लेने में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। सीयूके के विभिन्न विभाग एक उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण के निर्माण में एक अभिन्न भूमिका निभाते हैं। यह विश्वविद्यालय छात्रों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और अपने ज्ञान और बुद्धि को व्यक्त करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। सीयूके को हर संभव तरीके से छात्रों, संकाय और संस्थानों की सेवा करने और समर्थन करने पर गर्व है। इस विश्वविद्यालय का लक्ष्य अपने छात्रों को एक सफल पथ पर ले जाना और मार्गदर्शन और समर्थन सुनिश्चित करना है। सीयूके हमेशा एक परिवार के रूप में आपके साथ रहता है ताकि आप बिना किसी हिचकिचाहट के कभी भी हम तक पहुंच सकें।

याद रखें, सफलता में समय लग सकता है, लेकिन आपका धैर्य और स्थिरता आपको वहां ले जाएगी; विकास चुनौतियों से आता है, और मजबूत दृढ़ संकल्प बाधाओं को दूर करने की कुंजी है। मैं आपको सकारात्मक रूप से सोचने, बड़े सपने देखने, कड़ी मेहनत करने और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ।

आप सभी को एक सफल शैक्षणिक वर्ष की शुभकामनाएं।

प्रो. आर. आर. बिरादार

कुलसचिव

कर्नाटक केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कलबुर्गी

सीयूके ने 69वीं कन्नड़ राज्योंत्सव का समारोह मनाया



1 नवंबर, 2024: सीयूके ने कन्नड़ भाषा और संस्कृति की समृद्ध विरासत का सम्मान करते हुए 69वां कन्नड़ राज्योंत्सव मनाया। शरणबसवेश्वर कला महाविद्यालय, कलबुर्गी में कन्नड़ के सहायक प्राध्यापक डॉ. शिवराज शास्त्री हेरूर ने घोषणा की, "कन्नड़ केवल एक भाषा नहीं है, यह सभी कन्नड़ियों की मां है।" उन्होंने जोर देकर कहा कि कन्नड़ परंपरा, संस्कृति और जीवन के एक तरीके का प्रतीक है जो समुदायों को एकजुट करता है।

डॉ. हेरूर ने कविराजमार्ग महाकाव्य को याद किया, जो कन्नड़िगाओं की उदार और सहकारी भावना को दर्शाता है और बहुभाषी दुनिया के बीच हमारी भाषा को संरक्षित करने के हमारे कर्तव्य पर जोर देता है। उन्होंने अपनी मातृभाषा

को संजोते हुए सभी भाषाओं के प्रति सम्मान का आग्रह किया।

कुलपति प्रो. बट्ट सत्यनारायण ने समारोह के ध्वज को फहराया, जिसमें इस बात पर प्रकाश डाला गया कि कन्नड़ विभिन्न क्षेत्रों को कैसे एकजुट करता है और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करता है। परीक्षा नियंत्रक कोटा साई कृष्णा और डीन कैपस डेवलपमेंट प्रो. चन्नवीर आरएम सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने कन्नड़ समुदाय की समावेशी भावना की सराहना की। यह कार्यक्रम सांस्कृतिक प्रदर्शन के साथ समाप्त हुआ, जिससे भविष्य की पीढ़ियों के लिए कन्नड़ विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए सीयूके की प्रतिबद्धता को मजबूत किया गया।



भारत के संविधान का समारोह का आयोजन; स्वतंत्रता के लिए एक साहसिक कदम

26 नवंबर, 2024: कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भारत के संवैधानिक ढांचे के महत्व की पुष्टि करके संविधान दिवस मनाया। कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति आर. देवदास ने यह कहते हुए उत्सव का शुभारंभ, "खुद पर शासन करने के लिए, हमें अपने संविधान की आवश्यकता है।" उन्होंने रियासतों के 389 निर्वाचित सदस्यों की 1947 से पहले की विधानसभा के साथ शुरू होने वाली ऐतिहासिक प्रारूपण प्रक्रिया के साथ को याद किया, जिसके बाद डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की अध्यक्षता और 114 सत्र मसौदे को अंतिम रूप देने के लिए न्यायमूर्ति देवदास ने संविधान के अनोखे 'संविधान के पृथक्करण' को रेखांकित करते हुए छात्रों से अनुच्छेद 21, स्वतंत्रता के अधिकार के बारे में अधिक जानने का आग्रह किया।

कुलपति प्रो. बट्ट सत्यनारायण ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और प्रस्तावना पढ़ने का नेतृत्व किया, गरिमा की रक्षा करने और विविधता में एकता को बढ़ावा देने में संविधान पर जोर दिया। वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश श्री श्रीनिवास नावले ने जोर देकर कहा कि धर्म की परवाह किए बिना प्रत्येक नागरिक को संविधान में शामिल किया गया है और संवैधानिक नैतिकता का पालन करने का आह्वान किया गया है।

विभिन्न कार्यक्रमों के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए, तथा भारत के लोकतांत्रिक आदर्शों और कानूनी विरासत का जश्न मनाने के लिए समर्पित एक दिन का समापन हुआ।



बीरसा मुंडा की विरासत का सम्मान करने के लिए सीयूके में जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया

27 नवंबर, 2024: हैदराबाद विश्वविद्यालय में मानवविज्ञान के पूर्व प्रोफेसर डॉ. आर. शिव प्रसाद ने कहा, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में बिरसा मुंडा का योगदान बहुत महत्वपूर्ण है। आज वह बगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर बोल रहे थे, जिसे कर्नाटक के केंद्रीय विश्वविद्यालय, कलबुर्गी में जन जातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जाता है।

उन्होंने आगे कहा, बिरसा मुंडा झारखंड के मुंडा आदिवासी समुदायों के एक महान नेता थे। उन्होंने ब्रिटिश उत्पीड़न के खिलाफ आदिवासी समुदायों को जुटाया है। आदिवासी क्षेत्रों के समृद्ध संसाधनों ने अंग्रेजों को आकर्षित किया। जमींदारी प्रणाली की शुरुआत करके, धन के रूप में कर संग्रह, खनिज संसाधनों का खनन और मुख्यधारा की कानूनी प्रणाली, अंग्रेजों ने बाहरी लोगों को आदिवासी क्षेत्रों में लाया। उन्होंने अपनी भूमि में जनजातियों को बाहरी बना दिया। एक युवा लड़के, बिरसमुंडा ने अंग्रेजों और जमींदारों द्वारा आदिवासी समुदायों के शोषण को देखा। उन्होंने अंग्रेजों और जमींदारों द्वारा शोषण के बारे में जनजातियों को शिक्षित किया और अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने के लिए उन्हें जुटाया। बिरसा मुंडा की लड़ाई के कारण अंग्रेजों को भूमि जोत और आदिवासी अधिकारों में कई सुधार लाने के लिए

मजबूर होना पड़ा। उन्हें अंग्रेजों ने गिरफ्तार कर लिया और 25 साल की उम्र में ब्रिटिश हिरासत में उनकी मृत्यु हो गई। लेकिन वह भारत में आदिवासी समुदायों के प्रतीक बन गए; यहां तक कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 1940 से आदिवासी समुदायों को स्वतंत्रता आंदोलन में लाने के लिए बिरसा दिवस मनाना शुरू कर दिया।

प्रो. बट्ट सत्यनारायण, माननीय कुलपति, सीयूके ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और कहा, "छात्रों को हमारे देश के इतिहास, विरासत और संस्कृति के बारे में पता होना चाहिए। हम अपने ही देश में गुलाम थे। आज, हम अपने पूर्वजों द्वारा किए गए बलिदानों के कारण स्वतंत्रता और स्वतंत्रता का आनंद ले रहे हैं। बिरसा मुंडा और कई आदिवासी नेताओं ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सीयूके मिनी इंडिया की तरह है; हम सभी को एक न्यायसंगत, सामंजस्यपूर्ण और मजबूत राष्ट्र के निर्माण के लिए काम करना चाहिए जिसकी हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने कल्पना की थी।" इस अवसर पर प्रभारी कुलसचिव प्रो. चन्नवीर आर एम ने भी अपनी बात रखी। इस अवसर पर बागवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती की पूर्व संध्या पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद एक राष्ट्र को आकार देने वाला अधिवक्ता

5 दिसंबर, 2024: अधिवक्ता दिवस समारोह के दौरान कानून विभाग के अध्यक्ष डॉ. बसवराज एम. कुबकड्डी ने कहा, अधिवक्ताओं को डॉ. राजेंद्र प्रसाद की निस्वार्थता और देशभक्ति को मूर्त रूप देना चाहिए। कानून विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम ने भारत के पहले राष्ट्रपति और प्रतिष्ठित अधिवक्ता की जयंती का सम्मान किया।

डॉ. कुबकड्डी ने भारत के कानूनी और राजनीतिक ढांचे में डॉ. प्रसाद के महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला, उन्हें न्याय, लचीलापन और सादगी का प्रतीक बताया। उन्होंने छात्रों से अपने कानूनी करियर में ईमानदारी, विनम्रता और प्रतिबद्धता बनाए रखने का आग्रह किया।

संकाय सदस्यों डॉ. अनंत डी. चिंचूर, डॉ. रेणुका एस. गुब्बेवाड़, डॉ. जयंत और छात्रों ने न्याय और सेवा के मूल्यों के प्रति अपने समर्पण की पुष्टि करते हुए कार्यक्रम में भाग लिया।



अम्बेडकर के सपने को जीवंत बनाए रखना



6 दिसंबर, 2024: सीयूके ने डॉ. बीआर अम्बेडकर की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में 68वां महापरिनिर्वाण दिवस मनाया। भारत के संविधान को आकार देने और सामाजिक न्याय की वकालत करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

कानून विभाग में प्रैक्टिस के प्रोफेसर प्रो. सुभाषचंद्र राठौड़ ने एक न्यायसंगत समाज के लिए अम्बेडकर के दृष्टिकोण की प्रासंगिकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान का प्रत्येक अनुच्छेद डॉ. अम्बेडकर की आकांक्षाओं को दर्शाता है। उनके अपार योगदान के बावजूद, हम भेदभाव, भ्रष्टाचार और लैंगिक हिंसा जैसी सामाजिक बुराइयों से जूझ रहे हैं। प्रो. राठौड़ ने स्कूलों और परिवारों से युवा पीढ़ी में नैतिकता और जिम्मेदारी पैदा करने का आग्रह किया, अगर इसकी उपेक्षा की जाती है तो एक अंधकारमय भविष्य की चेतावनी दी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. बट्टू सत्यनारायण ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे संविधान के निर्माता संसद के लिए नहीं चुने गए। हम कर्तव्यों पर अपने अधिकारों को प्राथमिकता देते हैं, और यह असंतुलन प्रगति को बाधित करता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना अम्बेडकर की विरासत को विश्वविद्यालय की श्रद्धांजलि है।

कुलसचिव प्रो. आरआर बिरादर ने मानवाधिकारों के चैंपियन के रूप में अम्बेडकर के योगदान को रेखांकित किया, जो भारत के विकास के लिए समानता, सामाजिक न्याय और आर्थिक सशक्तिकरण की वकालत करता है।

कार्यक्रम में प्रो. देवराजप्पा की टिप्पणियाँ शामिल थीं, जिन्होंने सभा का स्वागत किया। डॉ. शैलजा कोनेक ने कार्यक्रम का संचालन किया और डॉ. नितिन बी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। अम्बेडकर के सशक्तिकरण और परिवर्तन की स्थायी विरासत का सम्मान करने के लिए संकाय, कर्मचारी और छात्र एक साथ आए।

सीयूके का भारतीय भाषा उत्सव भाषाई विविधता पर प्रकाश डालता है



दृष्टिकोण के अनुरूप क्षेत्रीय भाषाओं को पनपना चाहिए

कुलसचिव प्रो. आरआर बिरादार ने 67 भारतीय भाषाओं के गायब होने के बारे में चिंता को साझा किया, उन्हें संरक्षित करने के लिए सामूहिक प्रयासों का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बहुभाषावाद सांस्कृतिक समझ और करियर के अवसरों को बढ़ाता है।

पैनलिस्टों ने प्रेरक दृष्टिकोण लाए। प्रो. सुनीता मंजनबैल ने इस बात पर विचार किया कि क्षेत्रीय भाषाओं ने भक्ति आंदोलन को कैसे आकार दिया, सद्भाव को बढ़ावा दिया। डॉ. टी डी राजन्ना ने कन्नड़ की 2000 साल की साहित्यिक विरासत का जश्न मनाया, जिसमें सभी भाषाओं के प्रति सम्मान की वकालत की गई। डॉ. अंकिता सतपति ने भारतीय भाषाओं के बीच अनोखे भाषाई संबंधों पर बात की।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एक काव्य गोष्ठी थी, जहां संकाय सदस्यों ने विभिन्न भारतीय भाषाओं में कविताएँ पढ़ीं, जिससे हॉल काव्यात्मक उत्साह से भर गया। यह उत्सव एक हार्दिक नोट पर समाप्त हुआ, जिसमें भारत की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता की ताकत का प्रतीक करते हुए देशभक्तिपूर्ण छंदों के एक शक्तिशाली पाठ में आवाजें एकजुट हो रही थीं।

11 दिसंबर, 2024: भारत की समृद्ध भाषाई विरासत का सम्मान करते हुए और बहुभाषावाद को बढ़ावा देते हुए सीयूके में भारतीय भाषा उत्सव खुशी से मनाया गया। परिसर एकता की भावना के साथ गुँज उठा क्योंकि छात्र और संकाय विविध भारतीय भाषाओं की सुंदरता की

सराहना करने के लिए एक साथ आए। कुलपति प्रोफेसर बट्टू सत्यनारायण ने कहा कि कई भाषाओं को सीखना राष्ट्र को मजबूत करता है, जिससे व्यक्ति अधिक अनुकूलनीय और रोजगार योग्य हो जाते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि एनईपी-2020 और यूजीसी के प्रस्ताव के

ऊर्जा दक्षता पर सीयूके की कार्यशाला



13 दिसंबर, 2025: कर्नाटक राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (केएससीएसटी) के सहयोग से कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग स्कूल द्वारा ऊर्जा दक्षता पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में सतत ऊर्जा प्रबंधन और ऊर्जा नियोजन में भूविज्ञान की भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया गया।

डॉ. पी बी सरोलकर ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सेवानिवृत्त उप महानिदेशक ऊर्जा रणनीतियों में भू-तापीय ऊर्जा अन्वेषण और सतत जल प्रबंधन के महत्व पर बात की। सीयूके के कुलसचिव प्रो. आरआर बिरादार ने कहा कि अन्य विकासशील देशों की तुलना में प्रति व्यक्ति भारत की ऊर्जा खपत कम और अक्षम बनी हुई है।

उन्होंने यह दर्शाने वाले आंकड़ों का हवाला दिया कि भारत हर 1,000 डॉलर की जीडीपी के लिए 180 केओई (किलो तेल समतुल्य) का उपयोग करता है, जबकि जर्मनी और जापान इसका उपयोग करते हैं। उन्होंने ऊर्जा संरक्षण में सुधार के लिए जागरूकता, अनुसंधान और नवाचार की आवश्यकता पर जोर दिया।

वक्ताओं में एनआईटी कर्नाटक के प्रो. वीरशेट्टी गुमटापुरे, प्रो. परमेशा, प्रो. अमरेंद्र एम., और श्री गंगाधरप्पा शामिल थे। डॉ. संगमेश ने कार्यक्रम का समन्वय किया, जबकि नितिन बी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग के संकाय सदस्यों और छात्रों ने भाग लिया।

“भारत की अर्थव्यवस्था में डॉ. मनमोहन सिंह का बहुत बड़ा योगदान है” प्रो. बट्टू सत्यनारायण

30 दिसंबर, 2024: “भारत की अर्थव्यवस्था में डॉ. मनमोहन सिंह का योगदान बहुत बड़ा है,” कुलपति प्रोफेसर बट्टू सत्यनारायण ने दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री का सम्मान में सीयूके में आयोजित शोक बैठक में कहा। उन्होंने 1991 के आर्थिक संकट से भारत को बाहर निकालने में डॉ. सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला, यह याद करते हुए कि कैसे उनके सुधारों ने अर्थव्यवस्था को स्थिर किया जब देश के पास केवल दो सप्ताह का विदेशी मुद्रा भंडार था।

कुलसचिव प्रो. आर. आर. बिरादार, एक अर्थशास्त्री, ने डॉ. सिंह को भारत के आर्थिक उदारीकरण का वास्तुकार बताया। उन्होंने उन्हें ‘लाइसेंस राज’ को समाप्त करने, आयात करों को कम करने और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) सीमा बढ़ाने का श्रेय दिया। इन सुधारों ने भारत की जीडीपी वृद्धि को 3.5% से 9% तक बढ़ा दिया। प्रधानमंत्री के रूप में, डॉ. सिंह ने भारत के आधुनिक आर्थिक परिदृश्य को आकार देते हुए मनरेगा, आरटीआई और आधार जैसे परिवर्तनकारी कार्यक्रम शुरू किए।

इस कार्यक्रम में वरिष्ठ संकाय, डीन और प्रशासनिक कर्मचारियों ने भाग लिया, जिन्होंने सार्वजनिक सेवा के प्रति डॉ. सिंह के आजीवन समर्पण को प्रतिबिंबित किया। उनका दूरदर्शी नेतृत्व और आर्थिक दूरदर्शिता राष्ट्र के लिए एक स्थायी विरासत बनी हुई है।



एनआईआरएफ रैंकिंग पर कार्यशाला में शैक्षणिक उत्कृष्टता और रणनीतिक विकास पर जोर दिया गया



गुरुवार, 2 जनवरी 2025: सीयूके में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) पर एक दिवसीय कार्यशाला में कुलपति प्रो. बट्टू सत्यनारायण ने कहा, गुणवत्तापूर्ण छात्रों को आकर्षित करने और शैक्षणिक उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए संस्थागत रैंकिंग को बढ़ाना महत्वपूर्ण है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि रैंकिंग कठोर प्रलेखन और निरंतर प्रयासों से निर्धारित होती है, जो प्रक्रिया की तुलना किसान के समर्पण से करती है। उन्होंने संकाय और प्रशासकों से रैंकिंग में

सुधार के लिए एक संरचित दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सीयूके सार्वजनिक और निजी दोनों विश्वविद्यालयों के साथ प्रतिस्पर्धी बना रहे। हैदराबाद के इंस्टीट्यूट फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस (आईएई) के प्रो. एन वी शास्त्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि एनआईआरएफ रैंकिंग के लिए शिक्षण गुणवत्ता, अनुसंधान उत्पादन, स्नातक परिणाम, आउटरीच और धारणा के आधार पर तीन साल की रणनीतिक योजना की आवश्यकता होती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि रैंकिंग सुधार एक निरंतर दौड़ है जिसके लिए संस्थागत

सहयोग और डेटा-संचालित रणनीतियों की आवश्यकता होती है।

कार्यशाला में कुलसचिव प्रो. आर. आर. बिरादार, आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. गणेश पवार, एनआईआरएफ के नोडल अधिकारी डॉ. गुरुराज मुकाराम्बी, संकाय सदस्यों और वरिष्ठ प्रशासकों ने भाग लिया। सत्र ने रैंकिंग पद्धतियों में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान की, शैक्षणिक विकास और राष्ट्रीय मान्यता के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को मजबूत किया।

सीयूके ने शोधकर्ताओं के लिए विश्व स्तरीय एनएमआर सुविधा शुरू की



मंगलवार, 7 जनवरी 2025: कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूके) ने एक उन्नत परमाणु चुंबकीय अनुनाद (एनएमआर) सुविधा का उद्घाटन किया है, जो बेंगलुरु के बाहर कर्नाटक में एक प्रमुख अनुसंधान केंद्र के रूप में खुद को स्थापित करता है। कुलपति प्रो. बट्टू सत्यनारायण ने अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने में इसके महत्व पर जोर देते हुए नए 600 मेगाहर्ट्ज एनएमआर उपकरण पर पांच दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ किया।

कुलपति प्रो. बट्टू सत्यनारायण ने एनएमआर सुविधा पर पांच दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए अनुसंधान और नवाचार में क्रांति लाने की अपनी क्षमता पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों और संकाय को अभूतपूर्व खोजों के लिए इस अत्याधुनिक उपकरण का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

आईआईएससी के सेवानिवृत्त वैज्ञानिक प्रो. रागोथम्मा ने विशेष रूप से फार्मास्युटिकल और चिकित्सा क्षेत्रों में शोधकर्ताओं के लिए इस सुविधा को सुलभ बनाने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने वैज्ञानिकों और उद्योगों से चिकित्सा विकास और वैज्ञानिक सफलताओं के लिए सहयोग करने का आग्रह किया।

इस कार्यक्रम में सलाहकार अभियंता श्री इष्टलिंग महागौंकर, प्रो. कौकल्लू हनुमे गौड़ और प्रो. वेंकट रमण डोड्डी का भी योगदान रहा। उद्घाटन में संकाय, शोधकर्ताओं और छात्रों ने भाग लिया, जो वैज्ञानिक उत्कृष्टता के प्रति सीयूके की प्रतिबद्धता में मील का पत्थर साबित हुए। इस सुविधा के साथ, सीयूके अनुसंधान को आगे बढ़ाने और उद्योग-शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देने में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने के लिए तैयार है।

वामक्षि: महिलाओं की दृष्टि के माध्यम से भक्ति के प्रति एक आत्मिक श्रद्धांजलि

गुरुवार, 9 जनवरी 2025: प्रसिद्ध हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका और विद्वान डॉ. सुभद्रा देसाई ने व्यूक में "वामाक्षि: महिलाओं की दृष्टि के माध्यम से भक्ति" पर एक प्रेरणादायक बात की। अपने मधुर भजनों के माध्यम से, उन्होंने सदियों से महिला कवियों द्वारा व्यक्त भक्ति की आध्यात्मिक गहराई पर प्रकाश डाला।

डॉ. देसाई ने इस बात पर जोर दिया कि भक्ति एक सार्वभौमिक आध्यात्मिक प्रेम है, जिसमें कई कवि स्त्री स्वर में अपनी भक्ति का संचार करते हैं। उन्होंने अक्का महादेवी, अंदल, कराइक्कल अम्मैयार और मीराबाई की रचनाएँ प्रस्तुत कीं, जो दर्शाती हैं कि इन महिलाओं ने अपने भजनों में देवत्व की कल्पना कैसे की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए, कुलपति प्रो. बट्टू सत्यनारायण ने एनईपी-2020 के तहत संगीत पाठ्यक्रमों की शुरुआत पर प्रकाश डालते हुए संगीत की भावनात्मक भलाई और शैक्षणिक संवर्धन को रेखांकित किया। कुलसचिव प्रो. आर. आर. बिरादार ने भारत की समृद्ध कलात्मक विरासत की प्रशंसा की, जबकि प्रो. संदीप राणभिरकर ने भक्ति और स्वतंत्रता आंदोलनों के परिवर्तनकारी प्रभाव को प्रतिबिंबित किया।

यह कार्यक्रम प्रो. विक्रम विसाजी की परिचयात्मक टिप्पणियों, डॉ. स्वप्निल चाफेकर का स्वागत और डॉ. कुमार मंगलम का धन्यवाद ज्ञापन के साथ सम्पन्न हुआ। संकाय, विद्वानों और छात्रों ने सत्र में भाग लिया, और यह संगीत, भक्ति और साहित्यिक विरासत का गहरा उत्सव था।



फसल, खुशी और विरासत: पोंगल पूरी भावना से मनाया!

मंगलवार, 14 जनवरी 2025: पोंगल की भावना जीवित हो गई क्योंकि तमिल छात्रों ने तमिलनाडु की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करते हुए कक्षा परिसर में एक जीवंत उत्सव का आयोजन किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर बट्टू सत्यनारायण ने की और मनोविज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. जेयावेल ने इसका समन्वय किया।

उत्सव एक पारंपरिक पूजा के साथ शुरू हुआ, जिसके बाद एक जटिल रंगोली के चारों ओर एक मनमोहक कुम्मी नृत्य हुआ, जो एकता और खुशी का प्रतीक था। अपने संबोधन में, प्रोफेसर सत्यनारायण ने कृषि का जश्न मनाने और सूर्य की उत्तर की ओर यात्रा उत्तरायण को चिह्नित करने में पोंगल के महत्व पर जोर दिया।

छात्र समन्वयकों मेरिक और जेरलाइन ने एक अंतर्दृष्टिपूर्ण भाषण के माध्यम से पोंगल के सांस्कृतिक सार पर प्रकाश डाला, जिससे विभिन्न प्रदर्शनों के लिए मंच तैयार हुआ। इस कार्यक्रम में एक रोमांचक सिलंबम प्रदर्शन, शास्त्रीय नृत्य और संगीत प्रस्तुतियां शामिल थीं, जो तमिलनाडु की कलात्मक विरासत को दर्शाती हैं। उरियादी और टग ऑफ वॉर जैसे पारंपरिक खेलों ने उत्साह बढ़ाया, विजेताओं को अच्छी तरह से अर्जित पुरस्कार प्राप्त हुए। समारोह का समापन डॉ. जेयावेल के हार्दिक धन्यवाद के साथ हुआ, जिन्होंने छात्रों और प्रशासन के प्रयासों को मान्यता दी। पोंगल उत्सवों ने परंपरा, खुशी और सांस्कृतिक प्रशंसा को एक साथ लाया, जिससे सभी के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव पैदा हुआ।



साउथ जोन अंतर-विश्वविद्यालय टूर्नामेंट के लिए तैयार है सीयूके क्रिकेट टीम



बुधवार, 15 जनवरी 2025: सीयूके क्रिकेट टीम मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई में दक्षिण क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय क्रिकेट टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार है।

उनके प्रस्थान से पहले, सीयूके के कुलपति प्रो. बट्टू सत्यनारायण, कुलसचिव प्रो. आरआर बिरादार और वरिष्ठ संकाय सदस्यों ने टीम को अपनी शुभकामनाएं दीं। केमिकल साइंसेज के डीन प्रो. वेंकटरमण दोड्डी, परिसर विकास के डीन प्रो. आर. एम. चन्नवीर, स्पोर्ट्स समिति के सदस्य डॉ. कविशंकर और शारीरिक शिक्षा निदेशक

डॉ. एम.एस. पसोदी ने खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। कोच श्री गोविंद और प्रबंधक श्री सचिन ने टीम की तैयारी और दृढ़ संकल्प पर विश्वास व्यक्त किया। विश्वविद्यालय के मजबूत समर्थन के साथ, दस्ता एक भव्य मंच पर अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। सीयूके क्रिकेट टीम का उद्देश्य खेल भावना और उत्कृष्टता के साथ घर की महिमा लाना है क्योंकि वे क्षेत्र में शीर्ष विश्वविद्यालय टीमों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करता है।

सीयूके बास्केटबॉल टूर्नामेंट 2025: बागवान बास्केटबॉल क्लब ने फाइनल में जीत दर्ज की!

शनिवार, 18 जनवरी 2025: सीयूके बास्केटबॉल टूर्नामेंट 2025 शानदार ढंग से लिपटा हुआ है। बागवान बास्केटबॉल क्लब, कलबुर्गी, अक्कामहादेवी बास्केटबॉल क्लब के खिलाफ रोमांचक फाइनल में विजयी हुए। कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूके) द्वारा कलबुर्गी बास्केटबॉल एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित इस टूर्नामेंट में बीदार, कलबुर्गी और रायचूर की आठ टीमों शामिल थीं, जो नॉकआउट प्रारूप में बुरी तरह से लड़ रही थीं।

ग्रैंड फिनाले ने भीड़ को अपनी सीटों के किनारे पर रखा क्योंकि दोनों टीमों ने अविश्वसनीय कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। अक्कामहादेवी बास्केटबॉल क्लब के श्री संदेश को उनके असाधारण प्रदर्शन के लिए टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी नामित किया गया था।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. बट्टू सत्यनारायण ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय

क्षेत्रों के लिए छात्रों को आकार देने में खेलों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने खिलाड़ियों से शिक्षाविदों को संतुलित करते हुए अनुशासन, दृढ़ता और खेल भावना अपनाने का आग्रह किया। कुलसचिव प्रो. आरआर बिरादार ने उन्नत इनडोर और बाहरी सुविधाओं सहित सीयूके के नए विकसित खेल बुनियादी ढांचे पर प्रकाश डाला।

टूर्नामेंट ने सीयूके के न्यू बास्केटबॉल कोर्ट के उद्घाटन को भी चिह्नित किया। खेल निदेशक प्रो. एम. एस. पासोदी ने आशा व्यक्त की कि इस तरह के आयोजन कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में बास्केटबॉल को और बढ़ावा देंगे। इस दिन भौतिकी विभाग के श्री गोपीनाथन ने भी साउथ जोन इंटर-यूनिवर्सिटी शतरंज टूर्नामेंट में अपनी जीत के लिए सम्मानित किया।

400 छात्रों, संकाय और मेहमानों की जीवंत भीड़ के साथ टीमों पर जयकार करते हुए, इस कार्यक्रम का समापन उच्च ऊर्जा वाले नोट पर हुआ, जिसमें प्रतिभा, टीम वर्क और खेल उत्कृष्टता का जश्न मनाया गया।



स्कूलों में योग लाना: सुँटनूर में सामुदायिक जागरूकता सत्र का आयोजन



रविवार, 19 जनवरी 2025: सीयूके द्वारा अपने स्कूल आउटरीच कार्यक्रम के तहत गवर्नमेंट हाई स्कूल, सुँटनूर में एक सामुदायिक योग जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया था। इस पहल का उद्देश्य योग के माध्यम से शारीरिक और मानसिक कल्याण को बढ़ावा देना है।

बैठक को संबोधित करते हुए सीयूके कुलसचिव प्रो. आर. आर. बिरादार ने स्वास्थ्य, ज्ञान और चरित्र के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि योग फिटनेस बनाए रखने और उच्च रक्तचाप, मधुमेह और शरीर के दर्द जैसी सामान्य बीमारियों को रोकने में महत्वपूर्ण है। उन्होंने छात्रों को बेहतर एकाग्रता और शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए नियमित रूप से योग का अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित किया।

स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ट्रेनिंग के डीन प्रो. जी आर अंगडी ने विशेष रूप से बच्चों में लचीलापन, फोकस और अनुशासन विकसित करने में योग के लाभों पर प्रकाश डाला। योग प्रशिक्षकों सुश्री ज्योत्सना अंबेवाडकर और श्री संतोष बशेटी के नेतृत्व में सत्र में आसन, सूर्य नमस्कार, चंद्र नमस्कार और क्रीड़ा योग शामिल थे।

लगभग 80 छात्रों और आठ संकाय सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, जिसमें प्रधानाचार्य सुश्री स्मिता जैन और सीयूके संकाय डॉ. देविका, डॉ. थियागु सूर्या और डॉ. नरगिंटी एन. अमरेश्वरन शामिल थे। कार्यक्रम का समापन उज्ज्वल कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें तरुण डागा संचालक के रूप में कार्य कर रहे थे।



उद्योग-शिक्षाविदों के सहयोग को बढ़ाने के लिए सीयूके और एमसीएक्स ने साझेदारी की



बुधवार, 22 जनवरी 2025: सीयूके ने उद्योग-शिक्षाविदों के सहयोग को मजबूत करने के लिए मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) ऑफ इंडिया लिमिटेड, मुंबई के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस कार्यक्रम में एनईपी 2020 : व्यापार अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित उद्योग-शिक्षाविद इंटरफेसपर एक सम्मेलन भी शामिल था।

कुलपति प्रो. बट्टू सत्यनारायण ने विश्वविद्यालयों को उद्योग की आवश्यकताओं के साथ पाठ्यक्रम को संरेखित करने, छात्रों को प्रशिक्षण, प्रशिक्षण और प्लेसमेंट के माध्यम से आवश्यक कौशल हासिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया। एमसीएक्स के उपाध्यक्ष (प्रशिक्षण और शिक्षा) श्री आशीतोष वशिष्ठ ने वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने और

छात्रों, संकाय और कमोडिटी निवेश पर जनता को शिक्षित करने में समझौता ज्ञापन की भूमिका पर प्रकाश डाला। कुलसचिव प्रो. आरआर बिरादार ने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह की साझेदारी 2047 तक दुनिया की कुशल पूंजी बनने के भारत के लक्ष्य का समर्थन करती है। पूर्व कुलपति प्रो. एम. वी. अलगावडी, जो पहले प्रभारी थे, ने छात्र और संकाय क्षमता निर्माण में पहल के योगदान का उल्लेख किया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ संकाय के संबोधन शामिल थे, जिसमें प्रोफेसर एएन विजयकुमार स्वागत भाषण दे रहे थे, डॉ. मोहम्मद ज़ोहेयर धन्यवाद प्रस्ताव कर रहे थे, और डॉ. सफिया परवीन ने कार्यक्रम को संचालन किया। संकाय सदस्यों, छात्रों और विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने भाग लिया।

ध्यान और आध्यात्मिक विज्ञान: कल्याण का मार्ग

शनिवार, 25 जनवरी 2025: भारतीय शिक्षण मंडल के सहयोग से सीयूके में ध्यान और आध्यात्मिक विज्ञान पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई थी। इस कार्यक्रम में मानसिक कल्याण, व्यक्तिगत विकास और मानव मूल्यों को बढ़ाने में आध्यात्मिकता की भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए सीयूके के कुलपति प्रो. बट्टू सत्यनारायण ने जोर देकर कहा कि आध्यात्मिकता प्रकृति के साथ सद्भाव को बढ़ावा देती है और नैतिक जीवन को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा में एकीकृत किया जाना चाहिए। उन्होंने ध्यान में सुधार और भौतिकवादी प्रवृत्तियों को कम करने में ध्यान के लाभों पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि डॉ. बी. शिवरामप्पा, पिरामिड आध्यात्मिक विज्ञान अकादमी के सह-अध्यक्ष, ने आध्यात्मिकता को चरित्र निर्माण की नींव बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि ध्यान युवाओं को नकारात्मक प्रभावों से बचाता है और उन्हें संतुलित और सार्थक जीवन प्राप्त करने में मदद करता है।

कुलसचिव प्रो. आरआर बिरादार ने ध्यान को आत्म-अनुशासन और सफलता के लिए एक मूल्यवान उपकरण कहा, जबकि संसाधन व्यक्ति डॉ. गोविंदराज ने भारत की गहरी जड़ों वाली आध्यात्मिक परंपराओं के बारे में बात की। इस कार्यक्रम में संकाय, शोधकर्ताओं और छात्रों की भागीदारी के साथ अंतर्दृष्टिपूर्ण चर्चा शामिल थी। डॉ. ज्योत्सना अंबेवाडकर ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया, प्रो. बी. बी. पुजारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया और डॉ. राजीव जोशी ने कार्यक्रम का संचालन किया।



सीयूके सीआईएमएपी औषधीय पादप उद्यमिता पर कार्यशाला के लिए हाथ मिलाया



मंगलवार, 28 जनवरी 2025: केंद्रीय औषधीय और सुगंधित पौधों का संस्थान (सीआईएमएपी), बेंगलुरु के सहयोग से सीयूके में औषधीय और सुगंधित पौधों में उद्यमशीलता के अवसरों और किसानों की आय बढ़ाने पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई थी। व्यवसाय अध्ययन विभाग और सामाजिक कार्य विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को औषधीय पौधों की खेती में लाभदायक अवसरों के बारे में शिक्षित करना था। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए, सीयूके के कुलपति प्रो. बट्टू सत्यनारायण ने कृषि को एक उद्योग के रूप में मानने और उच्च मूल्य वाली फसलों की ओर बढ़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने खेती के आधुनिकीकरण के लिए सरकार की पहल पर प्रकाश डाला और किसानों को एक लाभदायक उद्यम के रूप में औषधीय और सुगंधित पौधों की खेती का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया।

मुख्य अतिथि डॉ. योगेंद्र एन.डी., सीआईएमएपी, बेंगलुरु के वरिष्ठ वैज्ञानिक ने औषधीय सामग्रियों के दैनिक उपयोग को रेखांकित किया। उन्होंने किसानों को उद्योग समर्थन का आश्वासन दिया और कहा कि ये पौधे शुष्क और कम उपजाऊ भूमि में भी पनपते हैं, जिससे वे कल्याण कर्नाटक की जलवायु के लिए आदर्श बन जाते हैं। वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. विजय एचएन ने अश्वगंधा, शताब्दी और लेमन ग्रास जैसी फसलों की वाणिज्यिक व्यवहार्यता के बारे में बताया। इस कार्यक्रम में संकाय सदस्यों, विभिन्न गांवों के किसानों और शोधकर्ताओं ने भाग लिया। प्रो. ए.एन. विजयकुमार ने सत्र का आयोजन किया, जिसमें डॉ. एम. ज़ोहेर ने स्वागत भाषण दिया और प्रो. पवित्रा अलूर ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

सीयूके ने नेताजी बोस और स्वामी विवेकानंद की जयंती मनाई

बुधवार, 29 जनवरी 2025: सीयूके ने कानून विभाग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के साथ नेताजी सुभाष चंद्र बोस और स्वामी विवेकानंद की जयंती मनाई। इस उत्सव ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम और दर्शन में उनके योगदान पर जोर दिया।

इस अवसर पर पर्यटन और होटल प्रबंधन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. एम. शिवा ने नेतृत्व में साहस और बुद्धिमत्ता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों को आज की दुनिया में अपनी प्रासंगिकता पर जोर देते हुए अपने जीवन में नेताजी और स्वामी विवेकानंद के मूल्यों को मूर्त रूप देने के लिए प्रोत्साहित किया।

कानूनी न्यायशास्त्र स्कूल अध्ययन के डीन डॉ. बसवराज एम. कुबकड्डी ने युवाओं से राष्ट्र में उनके योगदान पर विचार करने का आग्रह किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि केवल इतिहास पढ़ना ही पर्याप्त नहीं है; इसके बजाय, छात्रों को राष्ट्र-निर्माण में योगदान करने के लिए बलिदान, सम्मान और एकता के मूल्यों को अपनाना चाहिए।

इस कार्यक्रम में संकाय सदस्यों और छात्रों की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिसमें डॉ. अनंत डी. चिंचूर, डॉ. रेणुका एस. गुब्बेवाड, डॉ. जयंत बोरुआ और डॉ. जगदीश बिरादार सहित प्रमुख उपस्थित थे। श्री केएम कृष्णा ने कार्यक्रम का संचालन किया।

सुरक्षित ड्राइविंग को बढ़ावा देने के लिए सीयूके ने किया सड़क सुरक्षा अभियान का आयोजन



बुधवार, 29 जनवरी 2025: उप परिवहन आयुक्त और वरिष्ठ क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, कलबुरगी द्वारा कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूके) में एक सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। माननीय न्यायमूर्ति एस. सुनील दत्त यादव, वरिष्ठ न्यायाधीश, कर्नाटक उच्च न्यायालय, कलबुरगी पीठ, ने दुर्घटनाओं के दौरान समय पर कार्रवाई के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने पीड़ितों से दुर्घटनाओं के दस्तावेजीकरण में पुलिस की सहायता करने का आग्रह किया, क्योंकि उचित रिकॉर्ड बीमा दावों में तेजी लाते हैं, जिन्हें 30 दिनों के भीतर संसाधित किया जाना चाहिए।

सीयूके के कुलपति प्रो. बट्ट सत्यनारायण ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की और इस बात पर जोर दिया कि लापरवाह ड्राइविंग से घातक परिणाम होते हैं। उन्होंने गति सीमा और यातायात संकेतों का पालन करने के महत्व पर प्रकाश डाला और छात्रों से सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

संयुक्त परिवहन आयुक्त, श्री सिद्धप्पा एच. कल्लर ने दुर्घटनाओं को रोकने के लिए शुरू किए गए नए नियमों और प्रौद्योगिकियों के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि सड़कों का बाजार और बैठक स्थलों के रूप में दुरुपयोग दुर्घटनाओं में योगदान देता है और सड़क अनुशासन सुनिश्चित करने में सामूहिक जिम्मेदारी का आह्वान किया।

न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी के कानूनी अधिकारी श्री समरजीत सिंह ने ड्राइवर अलर्ट सिस्टम और शराब का पता लगाने वाले उपकरणों सहित आधुनिक सुरक्षा प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि तकनीकी प्रगति को जिम्मेदार ड्राइविंग व्यवहार द्वारा पूरक होना चाहिए। इस कार्यक्रम में संकाय, शोधार्थियों, छात्रों और परिवहन अधिकारियों ने भाग लिया। डॉ. प्रकाश बालिकाई ने कार्यक्रम का समन्वय किया, जबकि डॉ. आशीष बालेमकर ने कार्यक्रम का संचालन किया।





ए क ता में बु ना हु आ

"एक विचार उठाओ, अपने आप को इसके लिए समर्पित करो, धैर्य के साथ संघर्ष करो, और सूरज तुम्हारे लिए उगेगा।"
- स्वामी विवेकानंद



आ प की स ह भा गि ता की अ पे क्षा

स पा द की य द ल

संपादकीय टीम: प्रो. बट्ट सत्यनारायण, माननीय कुलपति, सीयूके
संपादक : डॉ. ओइनाम बेदाजित मीतेई : सह संपादक: डॉ. के. कार्तिक, डॉ. रूपा रानी सोनोवाल
डॉ. दीप्ति:
प्रेस विज्ञप्ति: डॉ. गणपति बी. सिन्नूर; हिंदी अनुवाद : डॉ. रेशमा एल. नदाफ, उप निदेशक (राजभाषा)
प्रकाशक: प्रो. आर. आर. बिरादार, कुलसचिव, ककेवि



कृपया विभागीय कार्यक्रमों/उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण ई-मेल: bulletin@cuk.ac.in पर भेजें ताकि इसे सीयूके बुलेटिन में शामिल किया जा सके।